



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

14 माघ 1941 (श०)

(सं० पटना 85) पटना, सोमवार, 3 फरवरी 2020

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्वद
विद्यापति मार्ग, पटना-800001

अधिसूचना

15 अक्टूबर 2019

सं० 1135—श्री लक्ष्मीनारायणजी ठाकुरबाड़ी, ग्राम—फरकिया, थाना—बौसी, प्रखंड—रानीगंज, जिला—अररिया पर्वद के अंतर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है जिसकी निबंधन संख्या—4492/2019 है। आम जनता द्वारा दिनांक—01.07.2018 को की गयी बैठक जो लगभग 395 व्यक्तियों के द्वारा हस्ताक्षरित है, में मंदिर की सम्पत्तियों की सुरक्षा के लिए 11 सदस्यों का चुनाव कर न्यास समिति बनाये जाने का प्रार्थना पत्र पर्वद को प्राप्त हुआ। इसके आलोक में दिनांक—31.8.2019 को पर्वद द्वारा अंचलाधिकारी से न्यास के प्रबंधन, स्वरूप, सम्पत्ति, आय की जांच कर प्रतिवेदन की मांग की गयी। उक्त के आलोक में अंचलाधिकारी द्वारा एक विस्तृत रिपोर्ट दिनांक—28.12.2018 पर्वद को उपलब्ध कराया गया, जिसमें उल्लेख किया गया कि खाता सं० 761, 762, 763 श्री लक्ष्मीनारायण जी ठाकुरबाड़ी निज ग्राम, सेवायत चन्द्रकांत झा के नाम पर दर्ज है, जिसका कुल रकवा 11.91 एकड़ है। उक्त रिपोर्ट के साथ 71 व्यक्तियों की सूची संलग्न की है, जिन्होंने अवैध रूप से उक्त ठाकुरबाड़ी की जमीन कच्चा एवं पक्का दूकान बनाकर अपना व्यवसाय कर रहे हैं। वर्तमान में इसका देखभाल आम जनता के द्वारा ही की जा रही है। इसकी प्रकृति सार्वजनिक न्यास की है तथा जमाबंदी में दर्ज सेवायत श्री चंद्रकांत झा की भी मृत्यु काफी पूर्व में हो गयी है।

अतः इस मंदिर और इसके सुप्रबंधन, परिसम्पत्तियों की सुरक्षा एवं अतिक्रमण मुक्त हेतु अंचलाधिकारी, रानीगंज द्वारा प्रस्तावित नामों की न्यास समिति के गठन का निर्णय लिया गया है।

अतः अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्वद को प्रदत्त अधिकार जो उपविधि सं०—43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए “श्री लक्ष्मी नारायण जी ठाकुरबाड़ी, ग्राम—पो०—फरकिया, थाना—बौसी, अंचल—प्रखंड—रानीगंज, जिला—अररिया” की सम्पत्तियों की सुरक्षा संरक्षण तथा सुप्रबंधन हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण किया जाता है तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति गठित की जाती है।

योजना

1. अधिनियम की धारा—32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री लक्ष्मीनारायण जी ठाकुरबाड़ी, न्यास योजना” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री लक्ष्मीनारायण जी

ठाकुरबाड़ी, न्यास समिति," होगी जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. इस न्यास समिति का प्रमुख कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा, विकास एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव और कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास समिति को यह भी निर्देश दिया जाता है कि अंचलाधिकारी व थानाध्यक्ष के सहयोग से अवैध रूप से कब्जा जमाए व्यक्तियों से या तो जमीन अतिक्रमण मुक्त कराये या उक्त जमीन पर व्यवसाय कर रहे व्यक्तियों से मासिक किराया निर्धारित करते हुए मासिक किराया वसूल करें।

5. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के आय-व्यय की विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्य वृत्त एवं पर्षद शुल्क आदि ससमय सम्यक रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी।

6. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।

7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

8. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा।

9. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

10. न्यास समिति के किसी भी सदस्य को न्यास की अचल सम्पत्ति को बिक्री करने, बदलाने करने एवं तीन वर्ष से अधिक अवधि के लिए किराया देने का कोई अधिकार नहीं होगा जबतक कि लिखित रूप में इस संबंध में पूर्व सहमति पर्षद से प्राप्त नहीं कर ली जाय। साथ ही न्यास समिति के सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।

11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो सदस्य बने रहने की उनकी अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. इस न्यास समिति का कार्यकाल दिनांक से पाँच वर्षों का होगा। एक वर्ष के बाद इसकी कार्यो की समीक्षा की जायेगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है :-

- | | | |
|---|---|------------|
| 1. श्री सुमित कुमार साह, पिता-श्री जय नारायण साह,
ग्राम+पो0-फरकिया, थाना-बौसी, जिला-अररिया | — | अध्यक्ष |
| 2. श्री विमल किशोर सिंह, पिता स्व0 सुदीन सिंह
ग्राम+पो0-बसैठी, थाना-बौसी, जिला-अररिया | — | उपाध्यक्ष |
| 3. श्री शशिभूषण राय, पिता-स्व0 रीतलाल राय,
ग्राम+पो0-फरकिया, थाना-बौसी, जिला-अररिया | — | सचिव |
| 4. श्री सुमन झा उर्फ सुरेन्द्र झा, पिता- श्री लक्ष्मीकांत झा, | — | कोषाध्यक्ष |

ग्राम+पो0-फरकिया, थाना-बौसी, जिला-अररिया		
5. श्री तेजनारायण राय, पिता- स्व0 शूकदेव राय,	—	सदस्य
ग्राम+पो0-फरकिया, थाना-बौसी, जिला-अररिया		
6. श्री महेश्वर शर्मा, पिता-स्व0 जगदीश शर्मा,	—	सदस्य
ग्राम+पो0-फरकिया, थाना-बौसी, जिला-अररिया		
7. श्री शंभू महतो, पिता-स्व0 जनक लाल महतो,	—	सदस्य
ग्राम+पो0-फरकिया, थाना-बौसी, जिला-अररिया		
8. श्री रामधनी शर्मा, पिता- स्व0 बीरू शर्मा,	—	सदस्य
ग्राम+पो0-फरकिया, थाना-बौसी, जिला-अररिया		
9. सदानंद साह, पिता- श्री जोगलाल साह,	—	सदस्य
ग्राम+पो0-फरकिया, थाना-बौसी, जिला-अररिया		
10. श्री विरेन्द्र झा, पिता- श्री लक्ष्मीकांत झा,	—	सदस्य
ग्राम+पो0-फरकिया, थाना-बौसी, जिला-अररिया		
11. श्री परमानंद यादव	—	सदस्य
ग्राम -नंदनपुर मिर्जापुर 37, पो0-मिर्जापुर, थाना-बसैठी,		
जिला-अररिया		

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन,
अध्यक्ष ।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 85-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>